क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 23, शुक्रवार, 15 फरवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए हमले के बाद बिखरे पड़े जवानों के शव व सामान।

पुलवामा में उड़ी से बड़ा हमला
42 जवान शहीद

आज श्रीनगर जा सकते हैं राजनाथ

केन्द्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह जम्मू कश्मीर के अवंतिपोरा में आतंकवादी हमले से उत्पन्न स्थिति का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को श्रीनगर जा सकते हैं। सिंह ने इस हमले की सूचना मिलने के तुरंत बाद सीआरपीएफ के महानिदेशक आर आर भटनागर से जानकारी ली। उन्होंने जम्मू कश्मीर के राज्यपाल सत्यपाल मलिक से भी बात की। गृह मंत्री ने हमले के मद्देनजर अपना कल का पूर्व निर्धारित बिहार दौरा रद्द कर दिया है और संभवत- वह श्रीनगर जाकर स्थिति का जायजा लेंगे। उन्होंने इस कायरतापूर्ण हमले की कड़ी निन्दा करते हुए इसे बहुत ही दर्दनाक और विचलित करने वाला बताया । उन्होंने कहा ' मैं देश की सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले हर सीआरपीएफ जवान को नमन करता हूं । मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं ।

अफगानिस्तान-पाक में होते हैं ऐसे हमले

आतंकियों ने जिस तरह से ये हमला किया है, इस तरीके का इस्तेमाल आम तौर पर अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है, लेकिन काफी समय बाद आतंकी कश्मीर में इतना बड़ा हमला करने में कामयाब हो गए।

जारी हुआ था अलर्ट

ये हमला उड़ी हमले से बड़ा है। उड़ी हमले में 19 जवान शहीद हुए थे। खुफिया एजेंसियों ने सात दिन पहले ही अलर्ट जारी किया था कि कश्मीर में सुरक्षाबलों को डिप्लॉयमेंट और उनके आने-जाने के रास्ते पर आतंकी आईईडी से हमला कर सकते हैं। ये अलर्ट संसद भवन पर हमले के दोषी अफजल गुरु और जेकेएलएफ के संस्थापक मोहम्मद मकबूल भट्ट की फांसी की बरसी से ठीक पहले जारी किया गया था। 8 फरवरी को जारी इस अलर्ट में साफ कहा गया था कि आतंकियों ने हमले का प्लान बनाया है।

आज एनआईए करेगी आत्मघाती हमले के स्थल का दौरा सुरक्षा कमेटी की बैठक आज

श्रीनगर

जम्मू एवं कश्मीर के पुलवामा जिले में श्रीनगर-जम्मू राजमार्ग पर गुरुवार को आतंकियों द्वारा किए गए एक आत्मघाती हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 42 जवान शहीद हो गए और कई अन्य घायल हुए हैं। पुलिस ने कहा कि आतंकियों ने यहां से करीब 30 किलोमीटर दूर लेथपोरा इलाके में अपरान्ह करीब सवा तीन बजे सीआरपीएफ बस को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट किया। जैश-ए-मोहम्मद ने दावा किया है कि उसके आतंकवादी ने इस आत्मघाती हमले को अंजाम दिया है। संगठन का दावा है कि उसके आतंकी आदिल अहमद उर्फ वकास ने विस्फोटक से भरी उस गाड़ी को उड़ाया है। जैश ने कहा है कि आदिल पुलवामा के गुंडीबाग इलाके का ही रहने वाला था। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, हमले में 42 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए और कई घायल हुए हैं जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। मृतक संख्या में फेरदबदल संभव है। सभी घायलों को श्रीनगर के सेना के 92 बेस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा, राजमार्ग पर एक चलती कार के भीतर आईईडी लगाया गया था और जब कार सीआरपीफ बस के समीप पहुंच गई तो उसमें विस्फोट कर दिया गया। यह बस जम्मू से श्रीनगर की ओर जा रही थी।

जैश-ए-मोहम्मद ने ली हमले की जिम्मेवारी

हाईवे पर चलती कार में लगाया था आईईडी

आईईडी विस्फोट के बाद बस पर गोलियां बरसाईं

पुलवामा हमले पर राजनीति शुरू

पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर हमले में शहीद हुए जवानों पर राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, उड़ी, पठानकोट, पुलवामा... आतंकी हमलों की लिस्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता जारी है और मोदी सरकार चुप है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मोदी के कार्यकाल में यह जवानों पर 17वां बड़ा हमला है।

क्या फिर होगी सर्जिकल स्ट्राइक?

कश्मीर में सीआरपीएफ के काफिले पर हुए आत्मघाती हमले ने पूरे देश को दहला दिया है। पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के इशारे पर हुए इस हमले ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि पड़ोसी मुल्क अपनी नापाक हरकतों से मानने वाला नहीं है। 2016 में उड़ी में हुए हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक कर पाकिस्तान को जरूर मुंहतोड़ जवाब दे दिया गया था, लेकिन इसका कोई असर होता नहीं दिख रहा है। वहीं बीजेपी ने कहा है कि आने वाले दिनों में पाकिस्तान का क्या हश्र होने वाला है, इसका उन्हें अंदाजा नहीं है। ऐसे में माना जा रहा कि मोदी सरकार एक बार फिर सर्जिकल स्ट्राइक पार्ट टू के जरिए पड़ोस में पल रहे आतंक के फन को कुचल सकती है।

जैश-ए-मोहम्मद ने जारी की हमले के जिम्मेवार आतंकी की तस्वीर

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में जैश के अफजल गुरु स्कवॉयड ने इससे पहले भी कई आतंकी वारदातों को अंजाम दिया है। इससे पहले रविवार को अफजल गुरु स्क्वॉड ने श्रीनगर के लालचौक पर हुए आतंकी हमले की भी जिम्मेदारी ली थी। इस आतंकी हमले में 7 पुलिस और सीआरपीएफ के 7 जवान शहीद हुए थे। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा है कि उसके आतंकी आदिल अहमद उर्फ वकास ने विस्फोटक से भरी गाड़ी को उड़ाया है। जैश ने कहा है कि आदिल पुलवामा के गुंडीबाग इलाके का ही रहने वाला था। हमले से पहले का एक वीडियो वायरल हुआ है।

शहीदों के परिवारों से संवेदना : राहुल

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को पुलवामा हमले के बाद ट्वीट कर निंदा की। राहुल गांधी ने कहा कि इस हमले से वह काफी दुखी हैं। शहीदों के परिवार के प्रति वह संवेदना व्यक्त करते हैं।

हमला आतंकियों का वहशीपन : मुफ्ती

पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने कहा कि इस आतंकी हमले की निंदा करने के लिए कोई शब्द पर्याप्त नहीं है। पता नहीं कि आतंकियों के इस वहशीपन को खत्म करने के लिए हमें कितनी जानें गंवानी पड़ेंगी।

जवानों के खून का बदला लेंगे : वीके सिंह

विदेश राज्य मंत्री और पूर्व सेनाध्यक्ष वीके सिंह ने कहा, एक सैनिक और देश का नागरिक होने के नाते, मेरा खून ऐसे कायराना हमलों पर खौलता है। पुलवामा हमले के शहीदों की शहादत को सलाम करता हूं और वादा करता हूं कि उनके खून की एक-एक बूंद का बदला लिया जाएगा।

होंडा सिविक भारत में फिर देगी दस्तक, अगले महीने होगी पेश

बेंगलुरू। जापान की वाहन निर्माता कंपनी होंडा अगले महीने भारत में अपनी सेडान कार सिविक का नया संस्करण पेश करेगी। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इसके बाद अमेज, सिटी, एकॉर्ड और नई सिविक के साथ होंडा के पास चार सीडान कारें होंगी। कंपनी के पास ग्राहकों की विस्तृत श्रृंखला की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न कीमतों के उत्पाद होंगे। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गाकू नाकानीशी ने बताया कि नई सिविक कार के साथ हम भारत में अपनी सीडान श्रेणी को पूरा करेंगे।

बहिबल कलां गोलीकांड: 6 अफसरों से 5 घंटे तक की पूछताछ

चंडीगढ़। बरगाड़ी बेअदबी से संबंधित बहिबल कलां और कोटकपूरा गोलीकांड की घटनाओं की जांच कर रही एसआईटी द्वारा मंगलवार को चंडीगढ़ में 1 आईएएस और 4 आईपीएस अधिकारियों समेत 6 प्रशासनिक अधिकारियों से करीब 5 घंटे तक पूछताछ की गई। जिन पुलिस अधिकारियों से पूछताछ की गई वे उस दिन घटना स्थल पर ड्यूटी पर तैनात थे। एसआईटी ने इन सभी अफसरों को बहिबल कलां गोलीकांड मामले में गिरफ्तार मोगा के पूर्व एसएसपी चरनजीत सिंह शर्मा से पूछताछ में सामने आए तथ्यों की पुष्टि के लिए तलब किया था। मंगलवार को एसआईटी के अधिकारियों ने कुछ को पंजाब पुलिस मुख्यालय में बुलाकर पूछताछ की जबकि कुछ अफसरों को 82 बटालियन कैंपस में बुलाया गया। जानकारी के अनुसार एसएसपी परमजीत सिंह पन्नू से देर शाम तक पूछताछ की गई। एसआईटी ने मंगलवार को जिन अन्य पुलिस अफसरों से पूछताछ की उनमें एडीजी जितेंद्र जैन, परमराज सिंह उमरानंगल, डीआईजी बठिंडा अमर सिंह चहल, डिविजनल कमिश्नर वीके मीना, कोटकपूरा के एसपी हरजीत सिंह और एसडीएम हरजीत सिंह संधू शामिल थे। एसआईटी के एक अधिकारी ने बताया कि इन अफसरों को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा। खास बात यह है कि एसआईटी ने इस मामले में पहली बार इतने पुलिस अफसरों को पूछताछ के लिए तलब किया । इनमें से बठिंडा के तत्कालीन डीआईजी अमर सिंह चहल से मंगलवार को सुबह और शाम दो बार बुलाकर पूछताछ की गई। मालूम हो कि बहिबल कलां गोलीकांड में दो सिख नौजवानों की मौत हुई थी, जबकि कोटकपूरा में भी गोली लगने से कई लोग घायल हुए थे। इन दोनों मामलों में क्रमवार पुलिस पर हत्या और इरादा ए कत्ल के केस दर्ज हैं जिनकी जांच एसआईटी कर रही है।

पीएम ने विदेशों में देश की छवि को ऊंचा किया: शिवसेना

नई दिल्ली। शिवसेना के एक सदस्य ने लोकसभा में बुधवार को जहां पूर्ण बहुमत वाली सरकार के साथ मजबूत विपक्ष की भी जरूरत बताई, वहीं कहा कि सरकार ने पांच साल में देशहित के काफी काम किये हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशों में देश की छवि को ऊंचा किया है। शिवसेना सदस्य आनंद राव अडसुल ने संसद के बजट सत्र के अनिश्चिकाल के लिए स्थगित होने से पहले लोकसभा में कहा कि सरकार ने पांच साल में देशहित में अच्छा काम किया है।

लुधियाना दुष्कर्म: तीसरा आरोपी भी पकड़ा, तीनों रिमांड पर

लुधियाना। दुष्कर्म मामले में तीसरे आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों को अदालत में पेश करके सात दिन के रिमांड पर भी ले लिया गया है। वहीं कोर्ट में पेशी के दौरान परिसर में ही यूथ अकाली दल के नेताओं ने तीनों आरोपियों को जूते मारे। बताया जा रहा है कि आरोपी वारदात को अंजाम देने के बाद पैतृक गांव जम्मू-कश्मीर के कठुआ भाग गया था। बुधवार को कठुआ से लौटते वक्त पुलिस ने ट्रैप लगाकर गांव चक्क से उसे पकड़ लिया। डीआइजी रणबीर सिंह खटड़ा ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि दूसरे आरोपित भी जल्द काबू कर लिए जाएंगे। बता दें कि मामले में पहली गिरफ्तारी सादिक अली निवासी बंगा नवांशहर के रूप में हुई। बाद में जगरूप सिंह निवासी जसपाल बांगड़ को भी पुलिस ने काबू किया था। अब तीसरे साथी सुरमू की भी गिरफ्तारी हो गई है। वहीं अब अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पुलिस की छह टीमें आरोपियों की तलाश में छापे मार रही हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपी सादिक की एक गलती पुलिस के लिए सुराग बन गई। शनिवार की रात जिस समय पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया जा रहा था। उस समय सादिक का मोबाइल फोन चल रहा था। पुलिस ने सबसे पहले मोबाइल टॉवर से उस समय चल रहे सभी मोबाइल की लोकेशन ली। सादिक का मोबाइल उसमें ट्रेस हुआ। पुलिस ने जब इस मोबाइल नंबर के संबंध में जानकारी एकत्र की तो पता चला कि यह मोबाइल गांव संगोवाल निवासी एक महिला के नाम पर था। पुलिस ने महिला से पूछताछ की। इस पर पता चला कि यह नंबर उसके भाई सादिक के पास है। वह इस समय नवांशहर में रहता है। पुलिस ने पूरी जानकारी लेने के बाद नवांशहर से सादिक को गिरफ्तार किया। उसने पूछताछ के दौरान अन्य आरोपियों के संबंध में पुलिस को पूरी जानकारी दी। डीआईजी ने बताया 16 संदिग्ध लोगों की लिस्ट पुलिस ने तैयार की है।

संपादकीय

हाल ही में अबू धाबी के न्यायिक विभाग ने कामगारों से जुड़े मामलों में अरबी व अंग्रेजी के अलावा हिंदी में भी बयान, दावे और अपील दायर करने की शुरुआत की है। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद अरबी और अंग्रेजी के बाद अब हिंदी को भी वहां की अदालतों में तीसरी आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल कर लिया है। अबू धाबी के इस फैसले से हमें सीख लेने की जरूरत है और अपनी मातृभाषा का सम्मान करने की जरूरत है।

हिंदी का मान बढ़ाने वाला निर्णय

हाल ही में अबू धाबी के न्यायिक विभाग ने कामगारों से जुड़े मामलों में अरबी व अंग्रेजी के अलावा हिंदी में भी बयान, दावे और अपील दायर करने की शुरुआत की है। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद अरबी और अंग्रेजी के बाद अब हिंदी को भी वहां की अदालतों में तीसरी आधिकारिक भाषा के रूप में शामिल कर लिया है। अदालतों के समक्ष दावों के बयान के लिए भाषा के माध्यम का विस्तार करने वाला यह निर्णय न्याय तक लोगों की पहुंच बढ़ाने के लिहाज से उठाया गया अहम् कदम माना जा रहा है। नतीजतन, अब वहां हिंदी भाषी लोगों के लिए मुकदमे की प्रक्रिया, अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी लेना और न्यायिक प्रक्रिया को सीखना-समझना आसान होगा। गौरतलब है कि वहां द्विभाषी कानूनी व्यवस्था का पहला चरण साल 2018 में शुरू किया गया था। इसके तहत सिविल व वाणिज्यिक मामलों में अगर वादी विदेशी हो तो अभियोगी केस के दस्तावेजों का अंग्रेजी में अनुवाद करना होता है। अब हिंदी भाषा को लेकर किए गए इस फैसले को लेकर वहां के न्यायिक विभाग का कहना है कि कई भाषाओं में याचिकाओं, आरोपों और अपीलों को स्वीकार करने के पीछे हमारा मकसद 2021 की भविष्य की योजना को देखते हुए सभी के लिए न्याय व्यवस्था को प्रसारित करना है। हम व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाना चाहते हैं। सुखद है कि यह निर्णय वहां बसे प्रवासी भारतीयों के लिए बहुत मददगार साबित होगा। साथ ही यह हिंदी भाषा का मान बढ़ाने वाला निर्णय भी है।

सुखद है कि देश के बाहर भी हिंदी भाषा अपना परचम लहरा रही है। भारत की राजभाषा हिंदी दुनिया की तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। आज विश्व के 176 विश्वविद्यालयों में हिंदी एक विषय के तौर पर पढ़ाई जाती है। पराई धरती पर हिंदी भाषा न सिर्फ विस्तार पा रही है बल्कि आधिकारिक मान्यता भी पा रही है। गौरतलब यह है कि हिंदी को पसिफिक आइलैंड के देश फिजी में भी राजभाषा का दर्जा दिया गया है। अमेरिका जैसे देश के 32 संस्थाओं में हिंदी पढ़ाई जाती है। कैंब्रिज और न्यूयॉर्क सहित दुनिया के करीब 130 विश्वविद्यालयों में हिंदी की शिक्षा दी जाती है। दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ लोग हिंदी बोलते, लिखते और पढ़ते हैं। इससे कहीं ज्यादा बड़ी संख्या में लोग हिंदी भाषा को समझ सकते हैं। जो भारतीय परिवार विदेशों में जा बसे हैं वे भी स्वयं रुचि लेकर बच्चों को पूरे मनोयोग से अपनी भाषा सिखा रहे हैं। मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि बच्चे सर्वाधिक आसानी से अपनी मातृभाषा को ही सीख पाते हैं। भली-भांति संवाद कर पाते हैं। यही वजह है कि ऐसे प्रवासी परिवार नई पीढ़ी को अपनी भाषा व अपनी जड़ों से जोड़े रखने में सफल भी हैं । इतना ही नहीं बड़ी संख्या में विदेशी छात्र भी हिंदी सीखने भारत आते हैं। इस भाषा के माध्यम से हमारे देश की बहुरंगी सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत को समझने में रुचि लेते हैं।

दरअसल, विदेशों में प्रवासी भारतीयों की बढ़ती संख्या ने हिंदी को विश्व के कोने-कोने में पहुंचा दिया है। हालिया बरसों में दुनियाभर में हिंदी बोलने व समझने वालों की संख्या में जबरदस्त इजाफा हुआ है। इंटरनेट के जरिये भी हिंदी भाषा ने वैश्विक पटल पर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई है। ऐसे देश जहां भारतीय मूल के नागरिक अधिक हैं, वहां हिंदी भाषा को खूब सम्मान और विस्तार मिला है। गौरतलब है कि अबू धाबी में भी बड़ी संख्या में भारतीय बसे हैं। आंकड़े बताते हैं कि यूएई की कुल जनसंख्या करीब 94 लाख, इनमें 26 लाख भारतीय हैं, जो इस देश का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। आंकड़ों के अनुसार संयुक्त अरब अमीरात की आबादी का करीब दो तिहाई हिस्सा विदेशों के प्रवासी हैं। संयुक्त अरब अमीरात में भारतीय लोगों की देश की कुल आबादी का 30 फीसदी है। वहां ऐसे कामगार भी संख्या हैं जो अंग्रेजी नहीं समझ पाते। इसी वजह से न्यायिक प्रक्रिया में हिंदी को भी आधिकारिक रूप से शामिल किया गया है।

कैसी विडंबना है कि अपनों की उपेक्षा झेल रही हिंदी भाषा विदेशियों के लिए भारतीयों के प्रति अपनत्व दिखाने का माध्यम बनी हुई है। वहां बसे प्रवासियों की भाषाई सहजता के बारे में सोचा जा रहा है। यह देश के हर नागरिक के लिए विचारणीय है कि क्यों हमारे यहां देश की मात्र तीन-पांच फीसदी लोगों द्वारा बोली जाने वाली अंग्रेजी को हिंदी की तुलना में वरीयता दी जाती है, जबकि किसी भी देश की राष्ट्रभाषा वहां की ज्ञान, चेतना और चिंतन की मूल धुरी होती है। अफसोस हमारे देश में हिंदी भाषा को सीखने-जानने और मान देने की आकांक्षा ही गुम हो रही है जबकि आज भी हमारे देश में हिंदी भाषा की पहुंच सबसे ज्यादा क्षेत्रों में है। एक अनुमान के मुताबिक हमारे देश में 42.2 करोड़ लोगों की आम भाषा हिंदी है। साथ ही हिंदी बोलने और समझने वाले लोगों की संख्या तो इससे कहीं ज्यादा है ही। तकनीकी रूप से भी माना जाता है कि हिंदी अपने आप में पूर्ण रूप से एक समर्थ व सक्षम भाषा है।

उच्चारण और लेखन की जो सहजता और एकरूपता हिंदी में है वह दूसरी भाषाओं में नहीं मिलती है। बावजूद इसके अंग्रेजी को ही बेहतर मानने और उसमें संवाद करने वाले लोगों को स्तरीय मानने की सोच हावी रही है। हमारे यहां न्यायिक प्रक्रिया में भी अंग्रेजी के दबदबे के चलते आमजन के लिए असहजता आज तक बनी हुई है। गांवों-कस्बों में बसे लोगों को अदालती प्रक्रिया से गुजरते हुए इस भाषाई दिक्कत का सामना करना पड़ता है। यही वजह है कि कुछ समय पहले कानून और न्याय की संसदीय कमेटी ने एक रिपोर्ट में सरकार से अनुरोध किया था सर्वोच्च और उच्च न्यायालयों में भारतीय भाषाओं के प्रयोग को शुरू करवाया जाए। लंबे समय से यह मांग उठती रही है कि अदालतों के कामकाज की भाषा ऐसी हो जिसे आम आदमी भी समझ सके। अफसोसनाक ही है कि जिस देश की राजभाषा हिंदी है वहां किसी आम नागरिक के लिए यह समझना भी मुश्किल बना हुआ है कि अदालत में उसका पक्ष किस तरह रखा जा रहा है? यही वजह है कि यह भाषाई बाध्यता केवल कानूनी ही नहीं संवेदनाओं व भावनाओं से जुड़ा मामला भी है।

निःसंदेह अबू धाबी में प्रवासी भारतीयों के लिए कानूनी सहजता को लेकर लिया गया है यह निर्णय सराहनीय है। अब सरकार को चाहिए कि वह ऐसे आदेश जारी करे जिससे सरकार के सारे अंदरूनी काम-काज भी हिंदी में होने लगें और अंग्रेजी से मुक्ति की दिशा सुनिश्चित हो जाए अगर ऐसा होता है तो यह राष्ट्रीयता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अनुकरणीय एवं सराहनीय पहल होगी। ऐसा होने से ही महात्मा गांधी, गुरु गोलवलकर और डॉ. राममनोहर लोहिया का सपना साकार हो सकेगा। देश की जनता भी हिंदी को उचित सम्मान दे एवं उसे अपने जीवन में प्रतिष्ठापित करे। भारतीय जनता की दुर्बलता एवं सबसे बड़ी कमजोरी रही है कि हिंदी को उसका उचित स्थान व सम्मान नहीं मिल पाया है। नेता हो या जनता-हिंदी की यह दुर्दशा एवं उपेक्षा सोचनीय है।

आजादी के 70 साल बाद भी कई राज्य सरकारें अपना काम-काज अंग्रेजी में करती हैं। हिंदी विश्व की एक प्राचीन, समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ ही हमारी राजभाषा भी है, यह हमारे अस्तित्व एवं अस्मिता की भी प्रतीक है, यह हमारी राष्ट्रीयता एवं संस्कृति की भी प्रतीक है। अंग्रेजी बोलने वाला ज्यादा ज्ञानी व बुद्धिजीवी होता है- यह धारणा हिंदी भाषियों में हीन भावना ग्रसित करती है। हिंदी भाषियों को इस हीन भावना से उबरना होगा। हिंदी किसी भाषा से कमजोर नहीं है। हिंदी को कमजोर हम ही बना रहे हैं, बल्कि हिंदी की यह घोर अवमानना व अपमान है कि हमने हिंदी को अंग्रेजी का मिश्रण बना दिया है। यही मिश्रण बच्चों को न तो हिंदी सिखा पा रहा है और न ही अंग्रेजी।

डॉ. मोनिका शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

विचार

राफेल पर अब खत्म हो विवाद

राफेल सौदे पर कैग की रिपोर्ट आ गई है। कहा गया है कि सरकार ने 2.86 फीसदी सस्ती डील फाइनल की है, जबकि पिछले कई दिनों से सरकार व विपक्ष एक-दूसरे पर आरोपों की झड़ी लगाए हैं। रक्षा सौदों पर अनावश्यक विवादों से देश की गरिमा भंग होती है।

राफेल सौदे पर जारी विपक्ष के विरोध के बीच राज्यसभा में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पेश की गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के मुकाबले एनडीए सरकार ने 2.86 फीसदी सस्ती डील फाइनल की है। 36 राफेल लड़ाकू विमानों का यह सौदा पीएम मोदी के कार्यकाल में साल 2016 में हुआ था। इससे पहले यूपीए के कार्यकाल में 126 राफेल का सैदा हुआ था लेकिन कई शर्तों के कारण आम राय नहीं बन पाई थी। कैग की ये रिपोर्ट 141 पेज की है, जिसे पेश करने के बाद से ही राज्यसभा में हंगामा शुरू हो गया है। जिसके कारण सभापति को सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि 126 विमान के सौदे के मुकाबले भारत 17.08 फीसदी पैसों की बचत करने में कामयाब हुआ है। इस रिपोर्ट पर वित्त मंत्री अरुण जेटली ने ट्वीट कर कहा है कि महागठबंधन का झूठ बेनकाब हो गया और सच की जीत हुई है।

कैग की रिपोर्ट आने के बाद अब राफेल पर मची रार खत्म हो जानी चाहिए। देखा जाए, तो इस पूरे विवाद की हवा तभी निकल गई थी जब सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल जांच न कराने का फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उसे इस सौदे में कोई अनियमितता नजर नहीं आई इसलिए इसकी जांच की कोई आवश्यकता नहीं है। उसने इस संबंध में दायर सारी याचिकाओं को खारिज कर दिया। बेंच ने स्पष्ट किया था कि राफेल विमानों की कीमत पर निर्णय लेना अदालत का काम नहीं है। देखा जाए तो राफेल सौदे पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले में सरकार और विपक्ष दोनों के लिए एक जरूरी संदेश छिपा था। वह यह कि रक्षा जैसे संवेदनशील विषय को बिना किसी ठोस आधार के अदालत में खींचना और राजनीतिक मुद्दा बनाना ठीक नहीं है। कांग्रेस ने इस सौदे में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए सरकार को घेरना शुरू कर दिया और इसे चुनावी मुद्दा बना डाला। अब कैग की रिपोर्ट आने के बाद सरकार अपनी जीत बता रही है और विपक्ष पर पलटवार कर रही है। यह सब बंद होना चाहिए।

कांग्रेस और विपक्ष का आरोप था कि यूपीए के दौरान 126 फाइटर जेट खरीदने का निर्णय किया गया था जबकि मोदी सरकार केवल 36 फाइटर जेट खरीद रही है। सरकार प्रत्येक विमान 1,670 करोड़ रुपए में खरीद रही है जबकि यूपीए सरकार ने प्रति विमान 526 करोड़ रुपए कीमत तय की थी। सरकार औपचारिक रूप से इन विमानों की कीमत नहीं बता रही। उसका कहना है कि अगर लड़ाकू विमानों की सही कीमत बता दी जाएगी तो शत्रु को उसकी मारक क्षमता व उससे जुड़े उपकरणों के बारे में अंदाजा लगाने में आसानी होगी। इसलिए इन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। हालांकि आज के दौर में लंबे समय तक गोपनीयता बनाए रखना भी आसान नहीं है। मगर कोई ऐसी राह निकालना जरूरी है जिससे रक्षा सौदों पर बार-बार खड़े होते अनावश्यक विवादों से देश को मुक्ति मिले।

वर्जनाओं से परे है प्रणय दिवस

भये कामवश जोगीस तापस पामरन की को कहे।
देखहिं चराचर नारिमय जे ब्रह्ममय देखत रहे।।
अबला विलोकहिं पुरुषमय जगु पुरुष सब अबलामयं। दुइ दंड भर ब्रह्मांड भीतर कामकृत कौतुक अयं।। -रामचरित मानस, बालकांड

मानव-मन के जटिल भावों-अनुभावों के सत्यान्वेषी महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की उक्त पंक्तियां कामशक्ति का कबूलनामा हैं। सतही तौर पर देखें तो यहां तक तो हमारी काम-अवधारणा पश्चिम के सेक्स, प्रेम-मनस्वी वेलेंटाइन के संदेश व मनोविज्ञान-मनीषी डॉ. सिग्मंड फ्रायड की स्थापनाओं से कुछ-कुछ मेल खाती है, पर गहराई से देखने पर पश्चिम के वेलेंटाइन व पूर्व के वात्स्यायन में साफ अंतर समझ में आ जाता है। इसे समझने के लिए पुनः तुलसी की शरण ही जाना होगा। पश्चिम का काम (सेक्स) निरा भोगवाद है, क्योंकि उसमें गॉड नहीं है। भारत के काम में राम भी हैं जो कामकाज को भी रामकाज बनाने की प्रेरणा देते हैं। कवि तुलसी लिखते हैं- *धरी न काऊ धीर। सबके मन मनसिजहरे। जो राखे रघुवीर। ते उबरे तेहिकाल महुं।*

सर्वप्रथम वेलेंटाइन डे की प्रखर विरोधी स्वयंभू मॉरल पुलिस को प्रणाम- *जे बिनु काज दाहिने-बायें।* प्रेमी युगलों को मारने के लिए दंडपूजा करने वाले तत्व भारतीय संस्कृति के वसंत उत्सव और मदनोत्सव से तो सर्वथा अनभिज्ञ नहीं होंगे। उन्हें हमारी सांस्कृतिक विविधता, समावेशी मनीषा व उत्सवप्रेमी मेधा का भी ज्ञान होगा। सार्वजनिक स्थलों पर चुंबन-विरोधियों को पब्लिक प्लेस पर स्तन-पान क्यों नहीं अखरता? इस निवेदन के पश्चात फिर भारतीय प्रेम-परंपरा और उसके आख्यान महर्षि वात्स्यायन के कामसूत्र का उल्लेख। इसके बाद पश्चिम के रति-ऋषि वेलेंटाइन के प्रणय-मंत्र और उसके आधुनिक व्याख्याता डॉ. फ्रायड के सर्वव्यापी सर्वप्रेरक सेक्स-तत्व को समझें। ये हैं इस वात्स्यायन-वेलेंटाइन चर्चा के प्रस्थान-बिंदु, जिसके मूल में है- प्रेमतत्व।

प्रेम की बहुआयामिकता से जुड़े अनेक प्रश्न हैं। क्या यह भाव औदात्य और वर्जनाओं से परे है? क्या यह निष्काम आस्था और अकुंठ समर्पण है? क्या यह द्वैत विभाजन और विषमता का अस्वीकार है? क्या यह मात्र उत्तेजना और उच्छृंखलता है? क्या इश्क-हकीकी और इश्क मिजाजी यानी दैहिक तथा विदेह प्रेम से स्त्री-पुरुष तत्व को गायब किया जा सकता है? बड़ा सवाल तो यह है कि हम प्रेम क्यों करते हैं? क्या कार्य कारण विवेकवाद से प्रेम तत्व का निरूपण संभव है? पूर्व भाव पर बल देता है और पश्चिम देह पर, लेकिन भाव भी तो देह की ही उपज है। आज तो दोनों के हाथ में मोबाइल हैं। प्रणय-दिवस के चिंतन में पेंच बहुत हैं।

महर्षि वात्स्यायन ने अपने कामसूत्र में प्रेम-प्रसंग की सुंदर व्याख्या की है। उन्होंने काम को ऊर्जा का सृजक माना है। रिचर्ड बरटन ने तो कामसूत्र को पंचमवेद मानकर उसका अंग्रेजी में अनुवाद किया है। वहीं महर्षि भर्तृहरि ने प्रेम को अन्य पुरुषार्थों की तरह ही माना है। ऐसे में कहा जा सकता है कि प्रेम सभी वर्जनाओं से परे है। अतः प्रेम दिवस यानी वेलेंटाइन डे का विरोध उचित नहीं लगता।

आइए! भारतीय प्रेम-परंपरा पर चर्चा करें। प्रसिद्ध चिंतक बर्ट्रेंड रसेल ने लिखा है- 'हिंदू परंपरागत चिंतन सेक्स के उदात्तीकरण (सबलाइमेशन) का है।' यथार्थतः हमारी संस्कार-सृष्टि ने हमें एक परिपूर्ण सौंदर्य दृष्टि दी है। तद्नुसार कुंठित और एकांगी काम नरक-पथ है, जबकि उदात्त और समग्र काम वैकुंठपथ है। समग्र काम का सूत्र वृहस्पति शास्त्र में है- *नीतेः फलम् धर्मार्थ कामावाप्त* अर्थात् नीति का उद्देश्य धर्म, अर्थ व काम की सिद्धि है। तीनों की सम्यक साधना मोक्षदायी है। महात्मा वेलेंटाइन तो ईसा की तीसरी सदी में रोमन युग की देन हैं, लेकिन महर्षि वात्स्यायन और भर्तृहरि का चिंतन तो ईसा के सहस्रों वर्ष पूर्व का है। उन्होंने प्रेम को प्रभुतत्व मानकर प्रणाम किया है।

महर्षि वात्स्यायन खुद ब्रह्मचारी थे। उन्होंने कामसूत्र की रचना कर काम को ऊर्जा-सृजक माना। इस ऊर्जा को उत्स की दिशा देना उन्होंने मानवता का लक्ष्य माना। हम उत्सव धर्मी हैं और उत्सव का मूल बिंदु ही उत्स है। याद रहे कि रिचर्ड बरटन ने कामसूत्र को पंचमवेद मानकर जब सन् 1883 में उसका अंग्रेजी अनुवाद किया तो विलायत ने मान लिया कि इस शास्त्र के सामने तो स्वयं वेलेंटाइन दंडवत् हैं। तब से विश्व की विभिन्न भाषाओं में कामसूत्र के करीब दो सौ से अधिक संस्करण छप चुके हैं। बर्ट्रेंड रसेल और मुक्तराज आनंद, दोनों एकमत हैं कि कामसूत्र कोई सेक्स मेनुअल नहीं है। पश्चिम का सेक्स उन्माद है। भारत का काम उत्स है।

महर्षि भर्तृहरि राजवंशी थे। उन्होंने भोग संस्कृति के बाद योग संस्कृति को आत्मसात किया। इसलिए पहले उन्होंने श्रृंगार शतक की रचना की और बाद में वैराग्य शतक की। उन्होंने श्रृंगार शतक में लिखा है-'उन विचित्र चरित्र वाले भगवान कामदेव को नमस्कार जिन्होंने ब्रह्मा, विष्णु और महेश को भी सरस्वती, लक्ष्मी व पार्वती का गृह कार्य दासवत् करने को बाध्य कर दिया।' परंतु वैराग्य शतक में लिखा- 'हम विषयों को न भोग सके। विषयों ने ही हमें भोग लिया। काल व्यतीत नहीं हुआ। हम ही व्यतीत हो गए। तृष्णा जीर्ण नहीं हुई। हम ही जीर्ण हो गए।' यह है काम तृप्त भोग से निर्लिप्त योग तक की यात्रा।

वैराग्य शतक में उन्होंने लिखा- *'धर्मार्थ कामाभ्यो नमः'* अर्थात धर्म, अर्थ व काम को नमस्कार। अन्य तमाम पुरुषार्थों की भांति प्रेम भी काम-प्रेरित पुरुषार्थ है। प्रेम शब्द की शास्त्रीय व्याख्या करें तो इसकी व्युत्पत्ति संस्कृत की प्री-धातु से है- *प्रीणाति इतिप्रियः* अर्थात् जिससे प्रसन्नता होती है, उसे प्रिय कहते हैं। अब संत वेलेंटाइन के बारे में बात करें। यद्यपि यह पक्का नहीं है कि वे हाड़-मांस के व्यक्ति थे या वाचिक परंपरा से उपजे मिथक मात्र हैं। कहते हैं कि वेलेंटाइन क्रिश्चियन-रोमन परंपरा के आख्यान हैं।

एक मान्यता के अनुसार रोमन सम्राट क्लाडियस ने अपने सैनिकों के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया था, ताकि वे परिवार में फंसकर युद्ध में गफलत न करें। वेलेंटाइन ने प्रेम को मूलाधिकार मान कर तमाम जोड़ों के गुपचुप विवाह करवा दिए। इस अपराध के लिए उन्हें मृत्युदंड दिया गया। दूसरे आख्यान में बताते हैं कि जब वे जेल में थे तो जेलर की बेटी से उन्हें प्रेम हो गया। उसके नाम उन्होंने जो संदेश भेजा उसे फर्स्ट वेलेंटाइन मैसेज मानकर आज भी प्रेमी युगल वेलेंटाइन डे सप्ताह मनाते हैं। सभी चीजों की भांति इसका भी बाजारीकरण हो गया है, जो फूलों, कार्डों, उपहारों आदि की घनघोर बिक्री में रेखांकित है।

आखिर प्रेम-भावना की बायोकेमिस्ट्री क्या है? न्यूरान कोशिकाएं सक्रिय होने पर सेरोटोनिन हार्मोन का स्तर प्रेम-प्रवाह के लिए उत्तरदायी है। एड्रेलिन के कारण इश्क का ऐसा जुनून सवार होता है कि भूख-प्यास भूल जाते हैं। इंड्रोफिन हार्मोन का उत्सर्जन नशे का काम करता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि मस्तिष्क का कौन सा भाग प्रेम-प्रसंग से प्रभावित होता है। डॉ. फिशर और डॉ. डोरोथी ने अपनी पुस्तकों क्रमशः 'एनाटॉमी ऑफ लव' तथा 'लव एंड लस्ट' में प्रेम-भाव की वैज्ञानिक व्याख्या की है। भारतीय संस्कृति इंतिहा-पसंद नहीं है। अतः हमारा प्रणय दिवस औदात्य और वर्जनाओं से परे है। इसका विरोध करने वालों को ढाई आखर प्रेम का... पढ़ कर पंडित होने का अवसर गंवाना नहीं चाहिए।

घनश्याम सक्सेना
(वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार)

ट्विटर

महागठबंधन का झूठ बेनकाब हो गया और सच की जीत हुई है। सरकार देश की गरिमा के साथ कभी समझौता नहीं करेगी। अब यह विवाद खत्म होना चाहिए।

अरुण जेटली, वित्त मंत्री

हमारे आरोप सही साबित हो गए हैं। रिपोर्ट में न तो कोई बैंक गारंटी का जिक्र किया गया है और न ही खाते की बात है। इससे साफ है कि महंगा विमान खरीदा गया है।

पी. चिदंबरम, पूर्व वित्त मंत्री

सत्यार्थ

निरालाजी की मानवीयता

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' एक बार दारागंज लीडर प्रेस से अपनी रायल्टी के एक सौ चार रुपए लेकर और इक्के में सवार होकर रक्षाबंधन पर अपनी मुंह बोली बहन महादेवी के घर जा रहे थे कि रास्ते में एक दुख भरी आवाज सुनाई दी- बेटा! इस अभागिन भूखी को भी कुछ दे दो। निराला ने इक्का रुकवाया और उस वृद्धा के पास जाकर बोले- मां! हमारे रहते तुम्हें भीख मांगनी पड़े, यह कैसे हो सकता है? वृद्धा बोली- क्या करूं बेटा, हाथ-पैर चलते नहीं। जब तक ठीक रहे, तब तक मैंने किसी के सामने हाथ नहीं फैलाया और पसीने की कमाई से अपना व अपने परिवार का पेट पालती रही, पर अब तो मैं बेटों को फूटी आंख भी नहीं सुहाती। उन लोगों ने मुझे दूध की मक्खी की तरह निकालकर फेंक दिया है। अपना पेट पालने के लिए कुछ तो करना ही था, इसलिए विवश होकर भिक्षा का रास्ता अपना लिया। भिक्षा मांगकर किसी प्रकार अपना पेट भर लेती हूं। निराला बोले- मां, अगर एक रुपया दे दूं, तो कब तक भीख नहीं मांगोगी। उत्तर मिला- कल तक। निराला फिर बोले- अगर पांच रुपए दे दूं तो? वृद्धा बोली- तो पांच दिनों तक भीख नहीं मांगनी पड़ेगी। निराला ने रॉयल्टी के पूरे एक सौ चार रुपए दे देने की बात कही तो वृद्धा ने फिर कभी भीख न मांगने और इससे कोई धंधा कर लेने की बात कही। महाकवि सारी राशि उस वृद्धा को देकर स्वयं खाली जेब इक्के में बैठ कर बहन महादेवी के घर की ओर चल पड़े, जहां किराया भी महादेवी को ही चुकाना पड़ा। ऐसा था निराला का विशाल कवि हृदय। बहन ने रक्षाबंधन के पर्व पर जब यह सुना तो कहने लगीं- सत्य है, मानवता हृदय की विशालता से आती है, भौतिक संपन्नता से नहीं। मुझे अपने भाई पर गर्व है।

राधा नाचीज

बीएसएल इंटरनेशनल को 21.5 करोड़ रुपये का शुद्ध तिमाही मुनाफा

नयी दिल्ली। वीजा प्रोसेसिंग की आऊटसोर्सिंग सेवा देने वाली कंपनी बीएसएल इंटरनेशनल ने दिसंबर को समाप्त तीसरी तिमाही में 201.3 करोड़ रुपये की कुल आय अर्जित की और इस दौरान उसे 21.5 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ।

कंपनी ने बंबई स्टॉक एक्सचेंज को एक नियामकीय सूचना में कहा कि कंपनी ने पिछले वित्तवर्ष की समान तिमाही में कंपनी की कुल आय 203.8 करोड़ रुपये थी जबकि उसने इस दौरान 20.6 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। चालू वित्तवर्ष के पहले नौ महीनों में कंपनी का शुद्ध मुनाफा इसके पिछले साल के 76.5 करोड़ रुपये से बढ़कर आलोच्य अवधि में 88.5 करोड़ रुपये हो गया। जबकि इस दौरान कंपनी की कुल आय 594.8 करोड़ रुपये की हुई जो पिछले साल इसी अवधि में 587 करोड़ रुपये थी।

यस बैंक का शेयर 31 प्रतिशत टचढ़ा, बाजार पूंजीकरण 12000 करोड़ बढ़ा

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के यस बैंक का शेयर बृहस्पतिवार को 31 प्रतिशत चढ़ गया जिससे बैंक के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 12,025 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2017-18 में यस बैंक के संपत्ति वर्गीकरण और प्रावधान में कोई खामी नहीं मिली है। इस खबर के बाद बैंक के शेयरों में जोरदार उछाल आया। बंबई शेयर बाजार में बैंक का शेयर 30.73 प्रतिशत चढ़कर 221 रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 32.32 प्रतिशत चढ़कर 223.70 रुपये तक गया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में बैंक का शेयर 31.36 प्रतिशत की छलांग के साथ 222.60 रुपये पर बंद हुआ। बैंक के शेयरों में जोरदार उछाल के बाद बंबई शेयर बाजार में उसका बाजार पूंजीकरण 12,025.11 करोड़ रुपये बढ़कर 51,114.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

अश्विनी लोहानी एयर इंडिया के नए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बने

नयी दिल्ली। रेलवे बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष अश्विनी लोहानी एयर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किये गये है। सरकार ने बुधवार को इस संबंध में एक आदेश जारी किया। एयर इंडिया के प्रमुख के रूप में लोहानी का यह दूसरा कार्यकाल होगा। सूत्रों ने बताया कि नियुक्ति से संबंधित मंत्रिमंडल की समिति ने बुधवार को उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी। लोहानी अगस्त, 2017 में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त किये गये थे और वह दिसंबर, 2018 में सेवानिवृत हुए थे। वह आईटीडीसी के अध्यक्ष और राष्ट्रीय राजधानी में रेल संग्रहालय के निदेशक भी रह चुके हैं। वह यांत्रिक अभियांत्रिकी में डिग्रीधारी हैं।

बैंकों का कर्ज 14.5 प्रतिशत, जमा 9.63 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। बैंकों के कर्ज के साथ-साथ जमा की वृद्धि दर में पखवाड़े के आधार पर मामूली गिरावट दर्ज की गयी है। एक फरवरी को समाप्त पखवाड़े में जहां बैंकों द्वारा दिया गया ऋण 14.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 94.29 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया वहीं जमा राशि 9.63 फीसद वृद्धि के साथ 121.22 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इससे पहले 18 जनवरी को समाप्त पखवाड़े में बैंक जमा 9.69 प्रतिशत वृद्धि के साथ 119.86 लाख करोड़ रुपये और कर्ज राशि 14.61 फीसदी की बढ़ोत्तरी के साथ 93.32 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई थी। आलोच्य अवधि के दौरान कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों एवं निजी ऋण के कमजोर प्रदर्शन के कारण ये कमी दर्ज की गयी है।

शेयर बाजार में गिरावट का रुख, सेंसेक्स 36 हजार के नीचे

मुंबई। प्रमुख वैश्विक शेयर बाजारों में नरमी के संकेत और कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती के रुझानों के बीच गुरुवार को स्थानीय शेयर बाजार में कारोबार की शुरुआत कमजोर रही. बंबई शेयर बाजार का 30 प्रमुख शेयरों वाला सेंसेक्स शुरू में 120.01 अंक गिरकर 35,914.10 पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 40.95 अंक गिरकर 10,752.70 अंक पर चल रहा था. सेंसेक्स पिछले पांच दिन से कुल मिला कर 840 अंक नीचे आ चुका है.

बैंकिंग और टेलीकॉम शेयर में गिरावट

कारोबारी सत्र के दौरान करीब 11.45 बजे 30 शेयर वाला सेंसेक्स 129.15 अंक गिरकर 35902.52 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. वहीं 50 अंकों वाला निफ्टी 48.25 नीचे 10744.65 के स्तर पर कारोबार कर रहा है. गुरुवार सुबह भारती एयरटेल, कोल इंडिया, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस टेक, एचसीएल टेक, एशियन पेंट्स, ओएनजीसी, टीसीएस, एसबीआई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी, टाटा स्टील, और इंडसइंड बैंक के शेयर नीचे चल रहे थे.

रीयल्टी परियोजनाओं मे देरी के लिए सरकारी निकायों की भी जवाबदेही : नायडू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि जिस तरह रेरा के तहत समय पर घर नहीं बनाने के लिए बिल्डरों को जिम्मेदार बनाया गया है उसी तरह परियोजनाओं को मंजूरी देने में देरी के लिए स्थानीय शहरी निकायों और राज्य विकास प्राधिकरणों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। रीयल एस्टेट डेवलपरों के संगठन क्रेडाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि डेवलपरों को खुद से नियंत्रण वाला तंत्र विकसित करना चाहिए और कुछ कंपनियों के गलत कामों की वजह से रीयल एस्टेट की जो छवि खराब हुई है, उसे सुधारना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने कहा, 'परियोजना की समय पर आपूर्ति जरूरी है। सरकारी और शहरी एजेंसियों द्वारा मंजूरी देना भी उतना ही जरूरी है। उनकी भी जिम्मेदारी है। जब आप परियोजनाओं में देरी के लिए रीयल एस्टेट कंपनियों को जवाबदेह बनाते हैं तो देरी के लिए आपको स्थानीय सरकारी निकायों को भी जिम्मेदार बनाना चाहिए।' कारोबारी सुगमता की जरूरत पर जोर देते हुए नायडू ने कहा कि रीयल एस्टेट क्षेत्र की वृद्धि के लिए केंद्रीय एवं राज्य स्तर की एजेंसियों को सुविधा देनी चाहिए। नायडू ने रीयल एस्टेट परियोजनाओं के लिए ऑनलाइन मंजूरी की वकालत की और बिल्डरों से ऑनलाइन लेनदेन करने के लिए कहा है।

उन्होंने कहा कि रेरा और जीएसटी के कार्यान्वयन के साथ रीयल एस्टेट क्षेत्र में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने जमीन की कीमतें अधिक होने पर चिंता जताई है। यह परियोजनाओं को अव्यावहारिक बनाती है। नायडू ने कहा कि रीयल एस्टेट क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का मुख्य हिस्सा है, इसकी देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रीयल एस्टेट क्षेत्र कृषि के बाद दूसरा सबसे ज्यादा नौकरियां देने वाला क्षेत्र है।

एमएसमई को 100 दिवसीय में मिला 20,900 करोड़ का कर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

छोटे एवं मझोले उद्यमों (एमएसमई) के लिए चलाए गए 100 दिवसीय सम्पर्क अभियान के तहत 20,900 करोड़ रुपये के कर्ज को स्वीकृति दी गई है। नवंबर में शुरू हुए इस कार्यक्रम को 104 जिलों में चलाया गया। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव राजीव कुमार ने कहा कि 100 दिन तक चले इस कार्यक्रम के तहत 33 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण सुविधाएं दी गई हैं। इनमें से 39 जिलों की 6.36 लाख छोटी इकाइयां वस्त्र क्षेत्र में आती हैं। कुमार ने परिधान क्षेत्र में एमएसएमई के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा, '104 जिलों में छोटी इकाइयों के लिए 20,900 करोड़ रुपये के कर्ज को स्वीकृति दी गई। इनमें 6,500 करोड़ रुपये वस्त्र क्षेत्र के उद्यमों को दिए गए हैं।÷ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल नवंबर में छोटी एवं मझोली इकाइयों को एक करोड़ रुपये तक का ऋण 59 मिनट में स्वीकृत करने के लिए विशेष पोर्टल समेत कई उपायों की घोषणा की थी। वस्त्र मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि 21 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना से जुड़े हैं। जितनी जल्दी लोगों का दावा किया उतनी जल्द उन्हें राशि दी गई है। इन दो योजनाओं के तहत अब तक 3,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

बजट से आवास क्षेत्र को मिलेगी गति, बिल्डर अपनी छवि बेहतर करें : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अंतरिम बजट की घोषणाओं का जिक्र करते हुए बुधवार को को इससे रीयल एस्टेट क्षेत्र को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब बिल्डरों को अपनी साख बेहतर बनाने के लिये काम करना चाहिये। क्रेडाई द्वारा यहां आयोजित रीयल एस्टेट सम्मेलन को संबोधित करते हुये मोदी ने कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत तेजी से काम कर रही है ताकि 2022 तक सभी को घर उपलब्ध कराने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके।

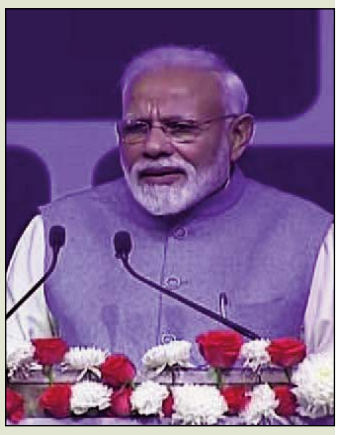

मोदी ने अपने संबोधत उनकी सरकार द्वारा पिछले चार-- साढे चार साल के दौरान रीयल एस्टेट क्षेत्र के लिये उठाये गये कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रीयल्टी क्षेत्र के लिये लाये गये नये कानून रेरा और बेनामी संपत्ति कानून से बिल्डरों और घर खरीदारों के बीच जो विश्वास की कमी थी उसे पाटने में काफी कुछ मदद मिली है। उन्होंने कहा कि रीयल्टी क्षेत्र में कारोबार सुगमता के मामले में भी तेजी आई है और अब निर्माण परमिट अधिक तेजी से दिये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2019- 20 के अंतरिम बजट से आवास क्षेत्र को काफी फायदा होगा। बजट में घर खरीदारों के साथ साथ मकान बनाने वालों को भी काफी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि बजट में पांच लाख रुपये तक की कमाई वालों को आयकर से पूरी छूट दी गई है। इसका लाभ भी आवास क्षेत्र को मिलेगा क्योंकि जो भी पैसा बचेगा वह आवास क्षेत्र में जायेगा। मोदी ने कहा, ''नवयुवक इस लाभ का फायदा उठाकर मकान खरीदने के लिये प्रोत्साहित होंगे।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में रीयल एस्टेट क्षेत्र के फायदे के लिये और भी कई घोषणायें की गई हैं। किराये से होने वाली आय पर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) की छूट सीमा को 1.8 लाख रुपये से बढ़ाकर 2.4 लाख रुपये कर दिया गया है। आवासीय आय पर दी जाने वाले छूट को भी अब खुद के इस्तेमाल के लिये रखे जाने वाले एक मकान से दो मकानों के लिये कर दिया गया है। आवासीय संपत्ति की बिक्री से होने वाले पूंजीगत लाभ का अब एक के बजाय दो मकान में निवेश की अनुमति दे दी गई है। मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले चार- साढे चार साल के दौरान रीयल एस्टेट क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने के लिये गंभीर प्रयास किये हैं। उन्होंने कहा कि नोटबंदी से रीयल एस्टेट क्षेत्र में कालेधन के इस्तेमाल पर अंकुश लगा है। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उनके इस फैसले से शुरू में कुछ समस्यायें आई हैं क्योंकि उन्होंने समय से आगे रहते हुए काम किया है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, 31 मार्च तक आम्रपाली ग्रुप जमा करे 200 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट ने आम्रपाली ग्रुप को 200 करोड़ रुपये 31 मार्च तक जमा कराने का आदेश दिया है. कोर्ट ने इस मामले में कंपनी की तरफ से हलफनामा मांगा और पूछा कि वह बताये कि अब तक किस प्रोजेक्ट में कितने पैसे लगाए गए हैं और किस कंपनी के कौन-कौन डायरेक्टर हैं. ग्रुप को अब बताना होगा कि शुरू से लेकर अब तक कंपनी के कौन-कौन डायरेक्टर रहे हैं. मामले की अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी. आम्रपाली ग्रुप पर आरोप है कि उसने खरीददारों के फ्लैट अब तक नहीं दिए हैं. पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने ग्रुप के पांच सितारा होटल, स्वस्थ्य कंपनी और मॉल को अटैच करने का आदेश दिया था. जानकारी के लिए बता दें कि आम्रपाली ग्रुप का नोएडा और ग्रेटर नोएडा में करीब 170 टावर का प्रोजेक्ट हैं. करीब 46 हजार खरीददारों ने यहां निवेश किया है. आम्रपाली ग्रुप का कहना है कि अब तक वह इन प्रोजेक्ट्स में करीब 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर चुका है. पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा था कि ग्रुप के एक पांच सितारा होटल सहित मौके की दो संपत्तियों के नीलामी में नहीं बिकने में मिलीभगत हो सकती है. अदालत ने सवाल किया कि क्या बैंक इस मिलीभगत में शामिल हैं. शीर्ष अदालत ने कहा कि यह 'हैरान और परेशान करने वाला' है कि बैंकर्स संपत्तियों पर ऋण देने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं. शीर्ष अदालत ने कहा कि बैंक सरकारी कंपनी एनबीसीसी की परियोजनाओं पर ऋण उपलब्ध कराने को तैयार हैं लेकिन वे एक नीलामी में ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) द्वारा बेची जा रही आम्रपाली संपत्तियों पर कर्ज उपलब्ध कराने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं. डीआरटी ने 31 जनवरी को ग्रेटर नोएडा के पांच सितारा 'आम्रपाली होलीडे इन टेक पार्क' तथा उत्तर प्रदेश के वृंदावन की एक मौके की जमीन की नीलामी की लेकिन किसी बोलीकर्ता ने बोली नहीं लगाई. न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा और न्यायमूर्ति यू यू ललित की पीठ ने कहा कि वह पहले संपत्तियों के कम मूल्यांकन को लेकर चिंतित थी लेकिन 31 जनवरी को हुई नीलामी में किसी बोलीकर्ता ने मुख्य संपत्तियों की बोली नहीं लगाई. पीठ ने कहा, ''ऐसा लगता है कि सोचे समझे प्रयास किए गए कि संपत्तियां बिक नहीं पाएं, क्योंकि नीलामी में कोई बोली नहीं लगाई गई.

शाइन.कॉम ने 2019 के लिए नौकरियों की संभावना में लगाया वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के दूसरे सबसे बड़े ऑनलाइन जॉब पोर्टल शाइन.कॉम ने हाल ही में 2019 के लिए नौकरियों की संभावना वाले में वृद्धि का अनुमान लगाया है। इस प्रौद्योगिकी-संचालित जॉब सर्च प्लेटफार्म ने पिछले साल जुटाए अपने विशाल डेटा का इस्तेमाल करते हुए भारत में नौकरियों के बढ़ने की स्थिति की मैपिंग करने के साथ ही प्रमुख उद्योगों और फंक्शनल क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है। यह कोई अचरज वाली बात नहीं है कि शीर्ष महानगरों जैसे कि बैंगलोर, मुंबई, दिल्ली और चेन्नई ने सबसे ज्यादा टैलेंट डिमांड क्षेत्र में अपना दबदबा बरकरार रखा है। हालाँकि, उभरते शहरों जैसे कि हैदराबाद, पुणे, कोलकाता और अहमदाबाद ने भी क्षेत्रीय जॉब हब के रूप में अपना दावा किया है और 2018 में नौकरियां देने के मामले में असाधारण प्रदर्शन किया है। हकीकत तो यह है कि आईटी क्षेत्र के अपने दबदबे के दम पर हैदराबाद पिछले एक साल में नौकरियों देने वाले शीर्ष 5 शहरों में शामिल हुआ। शाइन डॉट कॉम के अनुमानों के अनुसार, टायर-2 शहरों में देखी गई वृद्धि का श्रेय इन भौगोलिक क्षेत्रों में काम कर रहे एफएमसीजी / कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मास्यूटिकल्स और स्वास्थ्य सेवा, और ऊर्जा और नवीकरणीय क्षेत्रों को दिया जा सकता है।

उद्योग-वार डिमांड विश्लेषण से यह बात सामने आई कि 2017 की ही तरह आईटी-सॉफ्टवेयर, बीएफएसआई, मैन्यूफेक्चरिंग और बीपीओ / केपीओ क्षेत्र 2018 में भी नौकरियां देने के मामले में सबसे आगे रहे। आईटी / सॉफ्टवेयर क्षेत्र के भीतर भी डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबरस्पेस और प्रोग्रेसिव ऐप्स जैसी प्रौद्योगिकियों में नौकरी की संभावनाएं बढ़ी हैं। जहां इन क्षेत्रों में उच्च पदों के अवसर बढ़ रहे हैं, पेशेवरों को इन भूमिकाओं में लाने के लिए प्रशिक्षण किए जाने की आवश्यकता है। बीपीओ / केपीओ क्षेत्र में प्रौद्योगिकी में व्यापक वृद्धि की वजह से नई नौकरियों में वृद्धि की है और यह प्रवृत्ति 2019 में भी जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा भारत में ज्यादा मैन्यूफेक्चरिंग प्लांट स्थापित हो रहे हैं। इसका असर जिन जगहों पर यह मैन्यूफेक्चरिंग प्लांट लग रहे हैं, उन टायर-2 और 3 शहरों में नई नौकरियों के अवसर बढ़ेंगे। फिनटेक फर्म्स, मोबाइल वॉलेट्स और कई पैमेंट एप्स के आने से बीएफएसआई सेक्टर में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की है। निश्चित तौर पर 2019 में भी यह सेक्टर सबसे ज्यादा नौकरियां पैदा करने वाले उद्योगों में अपना स्थान बनाए रखेगा। 2019 में नौकरियां देने में वृद्धि प्रदर्शित कर रहे उभरते हुए उद्योगों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा शामिल हैं। 2018 में इन दोनों क्षेत्रों में कई तकनीकी स्टार्टअप लॉन्च हुए हैं, जिनसे 2019 में विकास और नई नौकरियों के अवसर का भरोसा भी जागा है।

दिलचस्प घटनाक्रम यह है कि इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन जैसे सुस्त उद्योगों में भी भर्तियों में महत्वपूर्ण तेजी देखी गई और इस सेग्मेंट ने 2018 में शीर्ष 10 सेक्टर्स की सूची में स्थान बनाया। रिपोर्ट के अनुसार इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन डोमेन में टियर-2 क्षेत्रों में वृद्धि हुई है, जिसका क्षेत्र इंफ्रास्ट्रक्चरल विकास को दिया जा सकता है। फंक्शनल क्षेत्रों के संदर्भ में आईटी / सॉफ्टवेयर, ग्राहक सेवा, बैंकिंग और वित्त, और प्रोडक्शन 2018 में शीर्ष कार्य क्षेत्रों के तौर पर उभरा है। विकास को बढ़ावा देने के लिए ज्यादातर संगठन प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं, इससे आईटी / सॉफ्टवेयर क्षेत्र में डिमांड बढ़ी है। इसके अलावा फिनटेक क्षेत्र में स्टार्टअप्स में वृद्धि से बीएफएसआई उद्योग में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। जैसे-जैसे भारत दुनिया के सबसे कम उम्र का वर्कफोस बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उत्पादन क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिल रहा है। वास्तव में भारत को अगले कुछ वर्षों में एक मैन्यूफेक्चरिंग सेंटर बनने का अनुमान है। इससे प्रोडक्शन और मैन्यूफेक्चरिंग 2018 में पेशेवरों को काम पर रखने वाले प्रमुख फंक्शनल सेक्टर में से एक बन गया है। डायनेमिक ट्रेंड्स पर बात करते हुए, जायरस मास्टर, सीईओ - शाइन डॉट कॉम, ने कहा, ÷सभी उद्योगों में प्रौद्योगिकी पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, इससे पिछले एक साल में हायरिंग डोमेन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। हमने स्वास्थ्य सेवा और बीएफएसआई जैसे क्षेत्रों में तेजी से विकास देखा है। इस डोमेन में शामिल कंपनियां इनोवेशन और प्रक्रियाओं के सुधार कर रही है। हमें उम्मीद है कि 2019 और उसके बाद भी बैंगलोर, मुंबई और दिल्ली सहित सबसे ज्यादा नौकरियां देने वाले शहरों में विकास की रफ्तार जारी रहेगी और वह अपनी स्थिति कायम रखेंगे। हालांकि, हमें आश्चर्य नहीं होगा यदि इंदौर और जयपुर जैसे टियर-2 शहर अगले कुछ वर्षों में प्रमुख स्थान ले लें।

उधना जोन में अधिकारियों की मिली भगत से अवैध बांधकाम का जोर

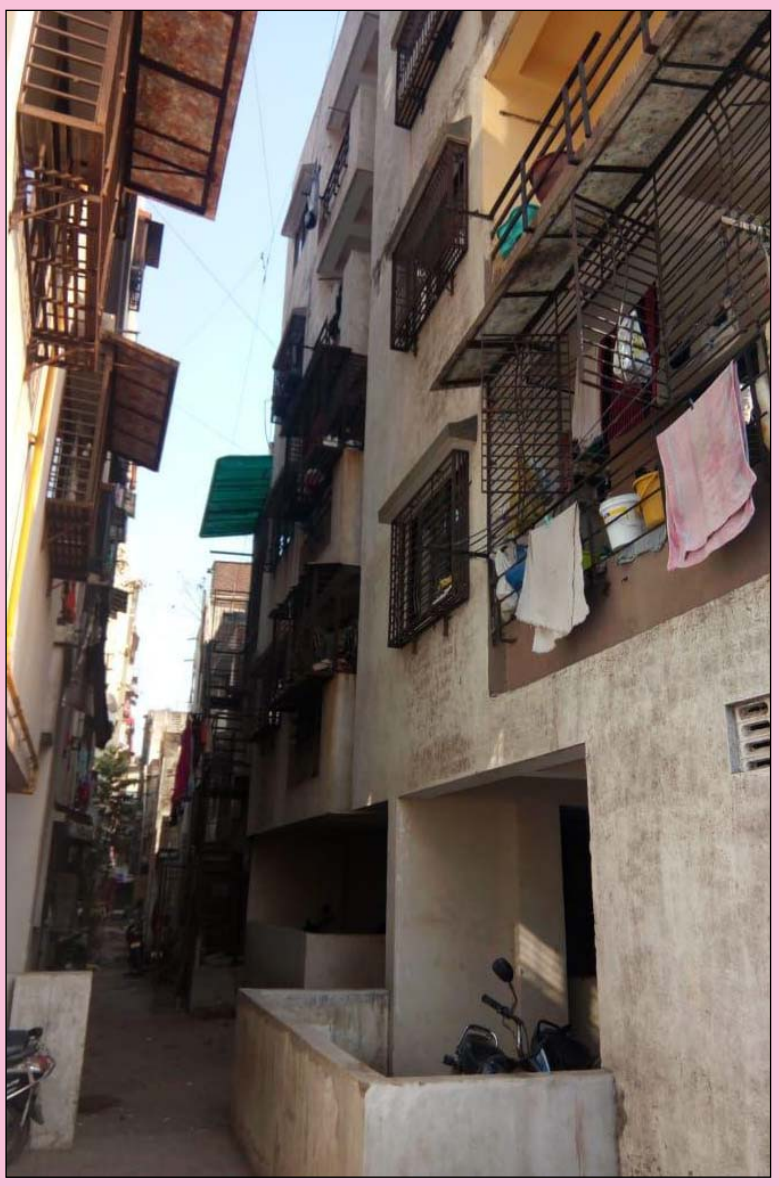

सूरत। शहर के उधना जोन के अंतरगत आने वाले इलाके में अवैध बांधकाम बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिसमें अधिकारियों,बिल्डरों, कोर्पोरेटर और नेताओं की मिली भगत होने की आशंका लोगों द्वारा जताई जा रही है। इन इमारतों में बड़े पैमाने पर अधिकारियों द्वारा पैसे लेकर इनका अवैध निमार्ण करवाया जा रहा है, इन इमारतों में न तो किसी प्रकार की सेफ्टी की सुविधा उपलब्ध है यहां तक की इन इमारतों में आग लगने की सूरत में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तक इन इमारतों तक नहीं पहुंच सकती जिससे इनमें रहने वाले लोगों की जान को खतरा है फिर भी अधिकारी मोटी रकम लेकर इन इमारतों को हरि झंड़ी दे देते है। इन इमारतों के खिलाफ अधिकारी आरटीआई या अर्जी लगाने के बाद भी किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं करते है उलटा अर्जी या आरटीआई करने पर कहते है हमें इसके बारे में किसी प्रकार की जानकारी नहीं है।

अग्रवाल युवा शाखा द्वारा वैलेंटाइन डे पर वोट करेगा युवा अभियान

फर्सट टाइम वोटर (युवाओं) को मताधिकार का उपयोग करके देश प्रेम जताने का सन्देश दिया

सूरत। आम तौर पर वेलेंटाइन डे युवाओं के लिए अपना प्यार का इजहार करनेका एक अवसर समझा जाता है , किंतु, आज अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा एक नयी और अनोखी सोच के साथ यह वेलेंटाइन डे मनाने का एक अनोखा आयोजन किया गया जिनके तहत आई.टी.डी संस्थान के छात्र एवं अग्रवाल युवा शाखा के युवाओ ने मिलके सूरत के नए मतदाता (पहेली बार मतदान के लिए आधिकारिक) युवाओं को गुलाब का फूल देते हुए राष्ट्र के प्रति अपना प्रेम दिखाने के लिए मतदान करने की अपील की । और ऐसा करके राष्ट्र के प्रति प्रेम और लोकतंत्र के प्रति कटिबद्धता की अभिव्यक्ति का एक सुनहरा अवसर बनानेके लिए अनुरोध कीया ।

पहले अच्छे दिन का नारा लगता था और अब चौकीदार चोर है के नारे लग रहे हैः राहुल

सूरत। राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी दक्षिण गुजरात में लोकसभा चुनाव प्रचार का प्रारंभ किया है। धरमपुर के ऐतिहासिक लाल डुंगरी मेदान से राहुल गांधी ने 5 लोकसभा के मतदाता विस्तार को संबोधित किया। संबोधन की शुरुआत में आक्रामक मुड में राहुल गांधी ने मोदी पर प्रहार करते हुए चौकीदार चोर है का नारा लगाते हुए कहा कि, पहले अच्छे दिन के नारे लगते थे और अब चौकीदार चोर है के नारे लगते है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर राफेल मुद्दे पर आडे हाथों लेते हुए कहा, चौकीदार ने चोरी की है, अनिल अंबानी को एक झटके में 30 हजार करोड़ देकर वायुसेना के पायलेटों से छीन लिए। फ्रांस राष्ट्रपति ने कहा कि ऐचऐऐलने को हटा कर ये सौदा अंबानी को दे दिया गया जिसे चौकीदार चोर है के नारे देश के बाहर फ्रांस में भी लग रहे है। सभी को पता है लेकिन चोरी के विषय पर मोदी एक शब्द नहीं बोल रहे है। लोकसभा में डेठ घंटे भाषण दिया लेकिन राफेल पर कुछ नहीं बोले, और इसके कारण वे किसी से आंख नहीं मिला सकते।

राहुंल गांधी ने आदिवासीयों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी लड़ाई जल, जमीन और जंगल के मुद्दे पर है, विकास के कामों के विरोध नहीं है परंतु किसानों की जमीन का कम भाव देना ये हमें मंजुर नहीं है। सागरमाला, भारतमाला, बुलेटट्रेन, इन्डस्ट्रीयल कोरीडोर के नाम पर आदिवासियों की जमीन कम भाव में सरकार द्वारा कब्जा करने हम नहीं देंगे। हम जो भूमि अधिग्रहण बील लाए थे उसमें छेड़ छाड़ करके मोदी ने उसकी शक्ति को घटा दिया है। हम ये बिल दोबारा लाएंगे और छतिसगढ में जिस जमीन पर टाटा पिछले पांच वर्षों से कोई काम शरु नहीं किया है उसे किसानों को वापिस दिलाएंगे।

मोदी द्वारा रात के समय आठ बजे नोटबंधी की घोषणा कर देश के लोगों को लाईन में लगा दिया। इस लाइन में कोई करोड़पति देखने को नहीं मिला। अनिल अंबानी किसी लाईन में देखने को नहीं मिला। जय शाह ने 700 करोड़ रुपये को वाइट कर लिया गया और करोडपतिओ का रुपया पिछले दरवाजे से बैंकों में जमा करवा दिया गया। मोदी तमाम गरीबों और छेटे कामगारों को चोर समझते है।

अचानक इस्तीफे को लेकर कई अटकलें

गांधीनगर के मेयर प्रवीण पटेल के इस्तीफे से राजनीति गर्मा गई

भाजपा की राजनीतिक दवाब सहित कोर्ट द्वारा हटा जाए इसके पहले इस्तीफा दिए जाने की चर्चा शुरू हो गई है

अहमदाबाद,१४ फरवरी ।

गांधीनगर के मेयर प्रवीण पटेल ने गुरुवार को वेलेन्टाइन डे के दिन ही अचानक मेयर और कॉर्पोरेटर पद से इस्तीफा देने से गुजरात की राजनीति में सनसनी मच गई। कांग्रेस को छोड़कर भाज पा में शामिल होकर गांधीनगर महानगरपालिका में मेयर बने प्रवीण पटेल ने पिछले तीन महीने से चल रहे राजनीतिक विवाद की वजह से इस्तीफा दिया हो ऐसी चर्चा रही है। उन्होंने मेयर के साथ कॉर्पोरेटर के तौर पर इस्तीफा देकर सत्तारूढ़ दल भाजपा को झटका देकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है । पिछले आयोजित हुई गांधीनगर महानगरपालिका की सामान्य सभा में हुए हंगामे के बाद चल रहे कोर्ट केस के बीच कोई फैसला आये इसके पहले ही प्रवीण पटेल ने इस्तीफा देने से राज्य की गांधीनगर में राज नीतिक गर्मा गई । दूसरी तरफ, भाजपा की राजनीतिक दवाब सहित कोर्ट द्वारा हटा जाए इसके पहले ही यह इस्तीफा दिए जाने की चर्चा शुरू हो गई है । उल्लेखनीय है कि गांधीनगर महानगरपालिका की तीन वर्ष पहले आयोजित हुई सामान्य चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को १६-१६ सीट आने से राजनीतिक संकट पैदा हो गया था । इस समय में कांग्रेस से मौका नहीं मिलने पर मूल भाजपा से आये प्रवीण पटेल ने कांग्रेस को छोड़कर भाजपा के समर्थन से मेयर की कुर्सी हासिल कर ली ।इसके बाद ढाई वर्ष की टर्म तक गांधीनगर महानगरपालिका का शासन चलाने वाले प्रवीण पटेल को मेयर पद खाली करने के लिए भाजपा की तरफ से कई बार राज नीतिक दवाब बढ़ाया गया। कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल होकर गांधीनगर महानगरपालिका में मेयर बने प्रवीण पटेल ने पिछले तीन महीने से चल रहे राजनीतिक विवाद की वजह से इस्तीफा दिया हो ऐसी चर्चा रही है । उन्होंने मेयर के साथ कॉर्पोरेटर के तौर पर इस्तीफा देकर सत्तारूढ़ दल भाजपा को झटका देकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। जिसमें पिछली बार आयोजित हुई सामान्य सभा में नई महिला मेयर और अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति में गुज रात हाईकोर्ट के आदेश की वजह से मेयर का मत और परिणाम पेन्डिग रखा गया है । यह राज नीतिक माहौल के बीच आगामी १९ फरवरी को प्रवीण पटेल की अध्यक्षता में होने वाली सामान्य सभा में बजट पारित होने वाला था, लेकिन भाजपा के सदस्यों की हुई बैठक में कई महिला कॉर्पोरेटर्स के पति ने सूझाव देने से हंगामा हो गया था ।

भरुच महिला कांग्रेस की नेता ने राहुल गांधी को किया किस

सूरत। दक्षिण गुजरात के वलसाड में जनसभा संबोधित करने पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को मंच पर मौजूद एक महिला ने किस कर लिया। वलसाड जिले की धरमपुर तहसील के लाल डुंगरी मैदान में कांग्रेस ने जन आक्रोश रैली का आयोजन किया था। जहां मंच पर पहुंचे राहुल गांधी का स्वागत सत्कार किया जा रहा था। राहुल गांधी का स्वागत करने महिला कांग्रेस की नेता भी पहुंची। जिसमें से एक महिला ने राहुल गांधी के गाल पर किस कर लिया। अचानक हुई इस घटना के बाद राहुल गांधी मुस्कुरा कर रह जाते हैं। इस पूरे वाकये का एक विडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

राहुल गांधी को किस करने वाली महिला का नाम काश्मीरा मुन्शी है, जो भरुच महिला कांग्रेस की सदस्या है। मीडिया से बातचीत में पारसी महिला काश्मीरा मुन्शी ने कहा कि मुझे ऐसा मौका जीवन में फिर कभी नहीं मिलेगा। मुझे पता नहीं था कि आज वेलेन्टाइन डे है। मंच से नीचे आने का बाद पता चला कि आज वेलेन्टाइन डे है। आपका वेलेन्टाइन कोई भी हो सकता है, मित्र, पिता या फिर नेता भी। काश्मीरा मुन्शी ने कहा कि राहुल गांधी क ब्रोड माइन्डेड, इन्टेलिजन्ट पर्सन हैं। 48 सालों से कांग्रेस से जुड़ी काश्मीरा मुन्शी ने कहा कि मैं पारसी महिला हूं और पारसियों में इस प्रकार चुंबन करने की एक प्रथा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से मिलने की बात सुनकर मुझे रातभर नींद नहीं आई।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)